

THE INHERITANCE

Money Comes and Goes. A Family Name Remains.



FERDINANDO FREGA
BLADEFREGA

विरासत

विरासत आमतौर पर किसी ऐसी घटना से जुड़ी होती है जो हर्षपूर्ण नहीं, बल्कि पीड़ादायक होती है। लगभग जैसे ज़िंदगी दांते के 'कॉन्ट्रापासो' के नियम का पालन करती हो: हर चुकाई गई कीमत किसी और कीमत से वापस चुकाई जाती है।

फिर भी विरासत एक इंसान का अंतिम तुलन-पत्र भी होती है।

इसके भीतर सिर्फ घर, बैंक खाते, गाड़ियाँ, गहने, या संपत्तियाँ ही नहीं होतीं। इसके भीतर होते हैं क्रायल-भाव, नैतिक संहिताएँ, सिद्धांत, वफ़ादारियाँ, डर, मोहब्बतें, और वह तरीक़ा जिसे किसी इंसान ने अपनी ज़िंदगी जीने के लिए चुना।

ज़्यादातर लोग वही छोड़ जाते हैं जिसे समाज मूल्यवान मानता है: एक घर, कुछ बचत, कोई पारिवारिक धरोहर, एक याद।

कुछ लोग क़र्ज़ छोड़ जाते हैं।

इतालवी क़ानून, अपने विचित्र तर्क के साथ, कुछ सीमाओं के भीतर वारिसों को विरासत ठुकराने की इजाज़त देता है जब देनदारियाँ संपत्ति से ज़्यादा हों। यह लगभग एक क़ानूनी स्वीकृति है इस बात की कि कुछ लोग जाने से पहले सब कुछ खा जाते हैं और ख़ाली जेबें छोड़कर विदा होते हैं।

पर मैं वक़ील नहीं हूँ।

मेरे पास दिखाने को कोई शैक्षणिक उपाधि नहीं है। मैं वही आदमी हूँ जिसे कभी इतालवी भाषा की कक्षा में चार अंक मिले थे। जो मेरे पास है, वह है अनुभव। और अनुभव ने मुझे सिखाया है कि यह कभी-कभी क़ानून से भी बड़ा होता है और दया से भी ज़्यादा माँग करने वाला।

जिस पहले इंसान ने मुझे सच्ची विरासत दी, वह थी मेरी बहन, *Teresa*।

अग्न्याशय के कैंसर ने उसे महज़ साठ साल की उम्र में बुला लिया।

वह अविवाहित थी। उसने अपना कोई अलग परिवार नहीं बसाया था। मेरे भाई, मेरे माता-पिता, और मैं ही उसके इकलौते सीधे वारिस थे।

मुश्किल से एक साल बाद, मेरे माता-पिता भी उसके पीछे चले गए, बीस दिनों के फ़ासले पर।

उन्होंने जो पीछे छोड़ा, वह मेरे और मेरे दो भाइयों — *Frega* जुड़वाँ, जो मुझसे आठ साल छोटे हैं — के बीच बँटी हुई विरासत बन गया।

अलग-अलग परवरिश।

अलग-अलग ज़िंदगियाँ।

अलग-अलग मूल्य।

अलग-अलग उम्मीदें।

जो आगे हुआ, वह वैसा नहीं था जैसा हमारे माता-पिता चाहते।

सबसे ताक़तवर ने पहले क़दम बढ़ाया। एक ने जो कुछ मिला, सब समेट लिया। दूसरा बस खड़ा रहा और उन हक़ीक़तों को उभरते देखता रहा जिन्हें किसी परिवार के भीतर कभी नहीं होना चाहिए था। संपत्ति और बैंक खातों को मिलाकर पूरी जायदाद की कीमत लगभग दस लाख यूरो है।

पर पैसा इस कहानी का सबसे कम अहम हिस्सा है।

उन कार्रवाइयों के सामने जिन्होंने मेरी नज़र में पारिवारिक भरोसे और नैतिक ज़िम्मेदारी की हर सीमा लाँघ दी, मेरे पास सिर्फ़ एक ही रास्ता बचा था: न्यायिक व्यवस्था के ज़रिए सुरक्षा माँगना और उन अधिकारों की रक्षा करना जो सिर्फ़ मेरे नहीं, बल्कि मेरे बच्चों के भी हैं।

एक आपराधिक कार्यवाही शुरू हो चुकी है।

यह अकेला तथ्य इस बात का संकेत है कि सबूत मौजूद हैं और संस्थाओं ने इसे जाँच के क़ाबिल समझा है।

बाक़ी सब न्याय के हाथ में है, मेरे नहीं।

मैं धैर्य से इंतज़ार करूँगा।

मैंने कभी बदला नहीं चाहा।

मैंने कभी यह लड़ाई पैसे के लिए नहीं लड़ी।

और यही ठीक वह वजह है कि मैंने कभी वित्तीय मुआवज़े की माँग करने वाला सिविल दावेदार बनने का इरादा नहीं किया।

मेरी लड़ाई खुद को धनी बनाने की नहीं है।

मेरी लड़ाई Frega नाम की रक्षा करने की है।

मैं यह देखने से इनकार करता हूँ कि मेरे परिवार का नाम अदालतों, इल्ज़ामों, लालच, और भीतरी विनाश से होकर घसीटा जाए, बिना इसके कि मैं उसके लिए खड़ा हो जाऊँ जिसे मैं सही मानता हूँ।

वह नाम मेरे पिता का था। मेरी माँ का।

मेरी बहन का।

और एक दिन यह उनका होगा जो हमारे बाद आएँगे।

पैसा आता है, जाता है।

परिवार का नाम बना रहता है।

मुझे मिली सबसे क्रीमती विरासत कभी यूरो में नहीं नापी गई। वह थी उस नाम को गरिमा के साथ ढोने की ज़िम्मेदारी।

दर्द, हालाँकि, बना रहता है।

संपत्ति का दर्द नहीं।

बैंक खातों का दर्द नहीं।

अनुपस्थिति का दर्द।

उन लोगों का दर्द जिनसे हमने मोहब्बत की और जो अब यहाँ नहीं हैं।

कभी-कभी मैं कल्पना करता हूँ कि मेरे माता-पिता और मेरी बहन कहीं दूर, हमारी नज़रों से परे किसी बालकनी पर साथ खड़े हैं, नीचे इस अजीब इंसानी नाटक को खुलते देख रहे हैं।

और शायद वे मुस्कराते हैं।

शायद वे सिर हिलाते हैं।

और शायद वे कहते हैं:

"Frega लड़ता ही जा रहा है। वह कभी रुकता नहीं। वह ठीक वही आदमी है जिसके बनने की किसी को उम्मीद नहीं थी।" Ferdinando Frega BLADEFREGA